## विषय : हिन्दी विशिष्ट **Set-B**

**निर्देश :** (i) सभी प्रश्न हल कीजिए।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न खण्ड-अ, ब में विभाजित है। इसमें 10 अंक निर्धारित हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 7 तक के उत्तर 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 2 अंक निर्धारित हैं।

(iv) प्रश्न क्रमांक 8 से 13 तक के उत्तर 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 3 अंक निर्धारित हैं।

(v) प्रश्न क्रमांक 14 से 19 तक के उत्तर 75 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 4 अंक निर्धारित हैं।

(vi) प्रश्न क्रमांक 20 से 23 एवं 25 के उत्तर 150 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित हैं।

(vii) प्रश्न क्रमांक 24 एवं 25 में 8-8 अंक निर्धारित हैं। प्रश्न क्रमांक 23 का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है।

1. **खण्ड (अ)** सही विकल्प चुनकर लिखिए—

(i) जलदयान कहा गया है—

(अ) वृक्ष को (ब) बादल को

(स) झरना को (द) फूल को।

(ii) अरुण यहाँ का राजकुमार था—

(अ) अवन्ती (ब) कोशल

(स) उज्जयिनी (द) मगध

(iii) विश्वभारती विश्वविद्यालय का पुराना नाम था—

(अ) शांति निकेतन (ब) विद्या निकेतन

(स) कला निकेतन (द) इनमें से कोई नहीं।

(iv) जहाँ दया होती है, वहाँ है—

(अ) पाप (ब) धर्म

(स) काल (द) लोभ।

(v) हिन्दी काव्य जगत के सूर्य माने जाते हैं—

(अ) सूरदास (ब) तुलसीदास

(स) केशवदास (द) कबीरदास।

1. **खण्ड (ब)** उचित सम्बन्ध जोड़िए—

| (क) | (ख) |
|---|---|
| (i) केश-पाश | (a) पंडवानी |
| (ii) भक्तिकाल | (b) नरोत्तमदास |
| (iii) रागी | (c) धन |
| (iv) नीलांबर | (d) स्वर्णयुग |
| (v) सुदामाचरित | (c) परिधान |

2. डॉ. सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर के अनुसंधान के दो मुख्य विषय लिखिए।
3. मुक्तक काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।
4. चिंतामणि क्या है ?
5. शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए—
   (i) सदा सत्य बोलने वाला (ii) जो कार्य न हो सके।
6. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए—
   (i) नाक में दम करना (ii) किताबी कीड़ा होना।
7. रोला छन्द का एक उदाहरण लिखिए।
8. एल्फ्रेड बी. नोबेल को पछतावा क्यों हुआ ? तब उन्होंने मानव जाति के कल्याण व विकास हेतु क्या किया ?
9. हास्य रस की परिभाषा और एक उदाहरण लिखिए।
10. निर्देशानुसार कीजिए—
    (i) कविता आटा पिसाने गई है। (वाक्य शुद्ध कीजिए)
    (ii) सूर्योदय होते ही पक्षी चहकने लगे। (मिश्र वाक्य बनाइए)
    (iii) तुम्हें शाला जाना चाहिए। (आज्ञावाचक वाक्य बनाइए)
11. निर्झर के सौंदर्य का चित्रण पंतजी ने किस प्रकार किया है ? वर्णन कीजिए।
12. चाय या कॉफी पीने के सम्बंध में गाँधीजी के क्या विचार थे ?
13. कोशल राज्य का कृषि महोत्सव किस प्रकार सम्पन्न होता था ?
14. द्वारपाल ने श्रीकृष्ण को सुदामा का परिचय किस रूप में दिया? वर्णन कीजिए।

    अथवा

    माली और कलियों के माध्यम से कबीर क्या कहना चाहते हैं?
15. पंडवानी गायिका तीजन बाई पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

**अथवा**

जैतखाम क्या ? वर्णन कीजिए।

16. डॉ. भगवतशरण उपाध्याय अथव सुमित्रानंनदन पंत का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए--

(i) दो रचानाएँ

(ii) भाषा-शैली की दो विशेषताएँ अथवा भाव-पक्ष की दो विशेषताएँ

(iii) साहित्य में स्थान।

17. उदयसिंह को बचाने क लिए पन्ना ने किसकी सहायता ली? उसने कैसे सहायता की?

**अथवा**

चित्तौड़ में दीपदान का उत्सव मनाने को किसने कहा था? चित्तौड़ में दीपदान का उत्सव क्यों मनाया जा रहा था?

18. कम्प्यूटर की तुलना गणेशजी से क्यों की गई है?

**अथवा**

छात्रों के अनुसार उत्तर दिशा का ज्ञान रात और दिन के समय कैसे किया जा सकता था?

19. अछूत कन्या को चौके में न आने देन पर गाँधीजी ने क्या सबक सिखाया?

**अथवा**

माता का शृंगार लाल और सफेद रंग में किस प्रकार किया जाता है?

20. निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कर साहित्यिक सौंदर्य लिखिए--

उधो माहिं ब्रज बिसरत नाहीं।
हंस सुता की सुंदर कगरी अरू कुंजन की छाँहीं।
वै सुरभी, वै बच्छ दोहिनी, खरिक दुहावन जाहीं।
ग्वाल बाज सब करत कुलाहल नाचत गहि गहि बाहीं।

**अथवा**

अवधेस के द्वारे सकारे गई, सुत गोद कै भूपति लै निकसे।
अवलोकि हौं सोच विमोचन को, ठगि सी रही, जे न ठगे धिक से।
तुलसी मनरंजन रंजित अंजन-नैन सुखंजन जातक से।
सजनी ससि में समसील उभै, नवनील सरोरूह से बिकसे।

21. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कर उसकी विशेषताएँ लिखिए--

दुनिया में क्या नहीं? कौन-सी चीज मैंने अपने हाथों पैदा नहीं की? मेरे सहारे कारखाने अमित मात्रा में माल उगलते जा रहे हैं। मैं तृण से ताड़ बनाता हूँ, तिल से पहाड़, नगर को ढो सकने वाले जहाजों से लेकर सुई तक, कोई महान और अदनी चीज नहीं जो मेरे स्पर्श के जादू से जीवन धारण न कर लेती हो। पर यह सब कुछ मेरे लिए क्यों नहीं? मैं इनमें से तिनका तक भी नहीं ले पाता।

**अथवा**

यदि हम किसी बात पर क्रुद्ध बैठे हैं और इसी बीच में कोई दूसरा आकर हमसे कोई बात सीधी तरह भी पूछता है तो भी हम उस पर झुंझला उठते हैं। इस झुंझलाहट का न तो कोई निर्दिष्ट कारण होता है, न उद्देश्य। यह केवल क्रोध की स्थिति के व्याघात को रोकने की क्रिया है, क्रोध की रक्षा का प्रयत्न है। इस झुंझलाहट द्वारा हम यह प्रकट करते हैं कि हम क्रोध में हैं और क्रोध में ही रहना चाहते हैं।

22. मधुलिका के स्वाभिमान को उजागर करने वाली दो घटनाओं को अपने शब्दों में लिखिए।

**अथवा**

महादेवी वर्मा की भाषा-शैली की दो विशेषताएँ लिखिए।

23. आपका नाम अनीता राठी है। आप शास. उच्च. माध्य. सुकमा में कक्षा दसवीं की छात्रा हैं। अपने प्राचार्य के स्थानांतरण प्रमाण हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

**अथवा**

मुहल्ले में साफ-सफाई न होने की शिकायत करते हुए सरिता देवांगन के नाम से धमतरी नगर निगम के महापौर को शिकायती पत्र लिखिए।

24. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए--

(i) राष्ट्रीय पर्व-गणतंत्र दिवस

(ii) विज्ञान के चमत्कार

(iii) वृक्षारोपण

(iv) दहेज प्रथा-एक अभिशाप

(v) जीवन में खेलों का महत्व।

25. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए--

महात्मा गाँधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे? वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर में सम्बंधित कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है--बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है। महात्मा गाँधी का समस्त जीवन-दर्शन श्रम-सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता का उत्पादन कर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों को रोकना हमारे वश की बात हो रही है।

(अ) महात्मा गाँधी किस बात पर बल देते थे?

(ब) महात्मा गँधी का क्या कहना था?

(स) ऋषि-मुनियों ने क्या कहा है?

(द) महात्मा गाँधी की नीतियों की उपेक्षा करने का क्या परिणाम हुआ है?

(इ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।